कृषि विज्ञान केंद्र, चिन्यालीसौड़
की
सोलहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

दिनांक 7 अप्रैल, 2021 को कृषि विज्ञान केंद्र, चिन्यालीसौड़ में सोलहवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया | बैठक आनलाइन मोड में आयोजित की गयी | बैठक की अध्यक्षता डॉ लक्ष्मीकांत, निदेशक, विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा ने की | बैठक की शुरुआत केन्द्र के प्रधान वैज्ञानक एवं अध्यक्ष डॉ चित्रांगद सिंह राघव द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत कर की गयी | तत्पश्चात विषय वस्तु विशेषज्ञ, उद्यान विज्ञान डॉ पंकज नौटियाल द्वारा वर्ष 2020-21 की प्रगति समीक्षा प्रस्तुत की गयी | बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु कार्य योजना भी प्रस्तावित की गयी |

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ लक्ष्मीकांत, निदेशक , वि०प०कृ०अनु०संस्थान अल्मोड़ा ने केंद्र द्वारा गत वर्ष किये गये कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि केंद्र द्वारा समय समय पर कृषकों को तकनीकी प्रदर्शन , उच्च गुणवत्ता वाले बीज एवं पौध तथा कृषकों की समस्या का निवारण किया जाता रहा है एवं केंद्र आगे भी कृषकों को इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित करता रहेगा | इसके साथ ही उन्होनें नयी एवं उन्नत प्रजातियों के अनुकरणीय परीक्षण, चौलाई की पैदावार बढ़ाने, जल संरक्षण पर कार्य करने का सुझाव भी दिया|

बैठक में वि०प०कृ०अनु०संस्थान अल्मोड़ा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बी एम पांडे, डॉ के के मिश्रा, डॉ जे के बिष्ट द्वारा कोरोना काल में भी केन्द्र की उपलब्धियों हेतु केन्द्र की टीम को बधाई देने के साथ साथ आगामी प्रस्तावित कार्ययोजना पर चर्चा की | केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बांके बिहारी ने जलसंरक्षण पर कार्ययोजना तैयार करने, रानीचौरी वानिकी विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक डॉ अरविन्द बिजल्वाण द्वारा कृषि वानिकी पर कार्य करने, ए जी एम नाबार्ड श्री पी सुनील मोहन कृष्णन द्वारा नाबार्ड के सहयोग से किसानों को प्रशिक्षित करने का सुझाव दिया | इस दौरान बैठक में जिलास्तरीय मुख्य कृषि अधिकारी, मुख्य उद्यान अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी, कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी, उत्तरकाशी ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किये | बैठक में केंद्र के नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे , वरुण सुप्याल, ख्याली राम, प्रगतिशील कृषक जीत सिंह राणा, गंगा देवी आदि मौजूद रहे |